राजस्थान के प्रमुख रीति रिवाज, सामाजिक भेदभाव एवं प्रथाएं

राजस्थान के प्रमुख रीति रिवाज

1. राजस्थान में किसी की मृत्यु के पश्चात् उसके उत्तराधिकारियों द्वारा करवाया जाने वाला भोज कहलाता है–
(अ) मौसर (ब) जौसर
(स) बढ़ार (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
2. जब कोई व्यक्ति अपनी मृत्यु से पूर्व ही मृत्युभोज का आयोजन करता है तो उसे कहते हैं–
(अ) मौसर (ब) जौसर
(स) बढ़ार (द) जीवसर
उत्तर : (ब)
3. राजस्थान में कौनसी प्रथा मृत्यु से संबंधित नहीं है ?
(अ) पगड़ी की रस्म (ब) उठावना
(स) बाल मुंडवाना (द) जुआ–जुई
उत्तर : (द)
4. लीलामोरिया संस्कार आदिवासियों की किस प्रथा से जुड़ा है–
(अ) मौताणा से (ब) मृत्यु भोज से
(स) विवाह से (द) नृत्य कला से
उत्तर : (स)
5. राजस्थान में त्याग प्रथा का संबंध किस वर्ग के समाज से था ?
(अ) ब्राह्मण (ब) क्षत्रिय
(स) वैष्य (द) शूद्र
उत्तर : (ब)
6. पंचमासी, सुहावड़, आगरणी, सुआ, आख्या एवं भदर में से जन्म संबंधी रीति रिवाज नहीं है–
(अ) पंचमासी (ब) भदर
(स) आख्या (द) सुआ
उत्तर : (ब)
7. बढ़ार का भोज किस मौके पर रखा जाता है ?
(अ) विवाह (ब) मृत्यु के 12वें दिन
(स) पुत्र जन्मोत्सव (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
8. सगाई के बाद वर को मुख्य रूप से गणेश चतुर्थी, तथा वधू को तीज एवं गणगौर पर भेजे जाने वाले उपहार को कहा जाता है–
(अ) चिकनी कोथड़ी (ब) ओख
(स) सीटणा (द) चूड़ी पहनाना
उत्तर : (अ)
9. किसी की मृत्यु हो जाने पर शोक स्वरूप अपने बाल, दाढ़ी, मूंछ कटवा लेने की रिवाज को कहा जाता है–
(अ) भदर (ब) सातरवाड़ा
(स) ओख (द) रियाण
उत्तर : (अ)
10. विवाह के अवसर पर मेहमानों के लिए गाया जाने वाला गीत कहलाता है–
(अ) जेवनवार (ब) पावणा
(स) बढ़ार (द) टूँटिया
उत्तर : (ब)
11. विवाह के अवसर पर गाया जाने वाला गीत है–
(अ) परणेत (ब) पावणा
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
12. मेहमानों को भोजन कराते समय गाया जाने वाला गीत को कहा जाता है–
(अ) टूँटिया (ब) सीटणा
(स) जेवनवार (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
13. धावड़िया वे व्यक्ति होते थे–
(अ) जो कारवाँ व काफिले को लूटते थे।
(ब) जो राजाओं के लिए कर संग्रह करते थे।
(स) जो अनाज का भण्डारण करते थे।
(द) जो दौड़ में भाग लिया करते थे।
उत्तर : (अ)
14. बिनोटा है–
(अ) दुल्हा–दुल्हन के विवाह की जूतियाँ
(ब) दुल्हा–दुल्हन के विवाह के कपड़े
(स) दुल्हा–दुल्हन की विदाई का समय
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
15. बारात रवाना होने के बाद वर पक्ष के यहाँ स्त्रियों द्वारा स्वांग रचकर विभिन्न विनोदपूर्ण कार्य करने को कहा जाता है–
(अ) टूँटिया (ब) जेवनवार
(स) रियाण (द) बढ़ार
उत्तर : (अ)
16. तोरण द्वार पर वर की आरती की जाती है जिसे कहते हैं–
(अ) झाला–मिला की आरती
(ब) मंगला आरती
(स) संध्याकालीन आरती
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

www.rajstudents.com

17. कामण है–
(अ) स्त्रियों द्वारा गाया जाने वाले रसीले गीत
(ब) कंजर जाति के स्त्रियों का नृत्य
(स) बंजारा जाति की स्त्रियों का नृत्य
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

18. लड़के के विवाह के दूसरे दिन आयोजित सामूहिक भोज को कहते हैं–
(अ) जेवनवार (ब) मौसर
(स) बढ़ार (द) जौसर
उत्तर : (स)

19. पश्चिमी राजस्थान में विवाह के दूसरे दिन अफीम द्वारा मेहमानों की मान–मनवार करने को कहा जाता है–
(अ) रियाण (ब) सीटणा
(स) जेवनवार (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

20. किसी परिवार में त्यौहार पर कोई मृत्यु हो जाने पर पीढ़ी दर पीढ़ी उस त्यौहार को नहीं मनाये जाने की प्रथा को कहते हैं–
(अ) ओख (ब) जेवनवार
(स) डाबरिया (द) सातरवाड़ा
उत्तर : (अ)

21. मारवाड़ में नाता प्रथा को कहा जाता है–
(अ) चूड़ा पहनाना (ब) कोथला
(स) बरी पड़ला (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

22. पहले राजपूत राजाओं तथा जमीदारों द्वारा अपनी लड़की के विवाह में दहेज के साथ कुंवारी कन्याओं को भेजने की प्रथा को कहा जाता था ?
(अ) कोथला (ब) डाबरिया
(स) बेगारी (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

23. किसी की मृत्यु होने के बाद मृत व्यक्ति के निमित्त दिया जाने वाला भोज है–
(अ) जौसर (ब) मौसर
(स) सातरवाड़ा (द) पंचमासी
उत्तर : (ब)

24. आनन्द विवाह है–
(अ) सिक्खों के विवाह की रीति
(ब) सिंधियों के विवाह की रीति
(स) जैनियों के विवाह की रीति
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

25. मृत्यु से पूर्व जीवित व्यक्ति के उसके निमित्त दिया जाने वाला भोज है–
(अ) जौसर (ब) मौसर
(स) सातरवाड़ा (द) पंचमासी
उत्तर : (अ)

26. वर पक्ष द्वारा वधू के लिए मेहंदी, वस्त्र, आभूषण खरीदकर लाने को कहा जाता है–
(अ) कोथला (ब) बरी पड़ला
(स) कामण (द) बिनौठा
उत्तर : (ब)

27. बेटी का पहला प्रसव होने पर उसके पीहर वालों द्वारा जवाँई स उसके संबंधियों को दी जाने वाली भेंट को कहते हैं–
(अ) बरी पड़ला (ब) बिनौठा
(स) कोथला (द) दहेज
उत्तर : (स)

राजस्थान में सामाजिक भेदभाव एवं प्रथाएँ

28. राजस्थान में डाकनिया प्रथा पर सर्वप्रथम कहाँ रोक लगाई गई ?
(अ) जयपुर (ब) कोटा
(स) भरतपुर (द) उदयपुर
उत्तर : (द)

29. राजस्थान में त्याग प्रथा का संबंध किस वर्ग के समाज से था ?
(अ) ब्राह्मण (ब) क्षत्रिय
(स) वैश्य (द) शूद्र
उत्तर : (ब)

30. राजस्थान में त्याग प्रथा किसकी देन मानी जाती है ?
(अ) ब्राह्मणों की (ब) राजपूतों की
(स) वैश्यों की (द) शूद्रों की
उत्तर : (ब)

31. राजस्थान में त्याग प्रथा पर सबसे पहले अंकुश लगाने वाली रियासत थी–
(अ) बीकानेर (ब) जोधपुर
(स) कोटा (द) अलवर
उत्तर : (ब)

32. सती प्रथा पर सर्वप्रथम रोक लगाने वाली रियासत थी–
(अ) भरतपुर (ब) धौलपुर
(स) अलवर (द) बूँदी
उत्तर : (स)

www.rajstudents.com

33. किस प्रथा के अन्तर्गत राजपूत जाति में विवाह के अवसर पर दूसरे राज्यों से चारण, भाट और ढोली आदि आकर लड़की वालों से मुँह मांगी दान दक्षिण माँगत थे ?
(अ) हाली प्रथा (ब) त्याग प्रथा
(स) चाकर प्रथा (द) सागड़ी प्रथा
उत्तर : (ब)

34. निम्न में से किस राज्य में त्याग प्रथा के विरोध में नियम बनाये गये ?
(अ) जोधपुर (ब) बीकानेर
(स) जयपुर (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)

35. राजस्थान में त्याग प्रथा का सम्बन्ध किस वर्ग के समाज से था ?
(अ) राजपूत (ब) ब्राह्मण
(स) मुस्लिम (द) वैष्य
उत्तर : (अ)

36. राजस्थान में सती प्रथा वर्ष 1822 ई. में किस रियासत द्वारा अवैध घोषित की गई ?
(अ) भरतपुर (ब) धौलपुर
(स) अलवर (द) बूँदी
उत्तर : (द)

37. राजा राममोहन राय के प्रयासों से किस गवर्नर जनरल ने सती प्रथा पर प्रतिबंध लगाया ?
(अ) लॉर्ड विलियम बैंटिक (ब) लॉर्ड मुनरो
(स) लॉर्ड कर्जन (द) लॉर्ड हार्डिंग
उत्तर : (अ)

38. लॉर्ड विलियम बैंटिक ने सती प्रथा पर किस वर्ष प्रतिबंध लगाया ?
(अ) 1830 (ब) 1821
(स) 1829 (द) 1827
उत्तर : (अ)

39. सागड़ी प्रथा को बंद करने के लिए सागड़ी निवारण अधिनियम कब लागू किया गया ?
(अ) 1962 (ब) 1976
(स) 1975 (द) 1961
उत्तर : (द)

40. सागड़ी प्रथा का अर्थ है–
(अ) बंधुआ मजदूरी (ब) दहेज प्रथा
(स) रुपयो के बदले काम (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

41. किस प्रथा के अन्तर्गत घरेलू दास पीढ़ी–दर–पीढ़ी अपने मालिक (जमींदार, सेठ, महाराजा) के यहाँ गुलामी की अवस्था में रहकर सेवा करते थे ?
(अ) सागड़ी प्रथा (ब) त्याग प्रथा
(स) चकोरी प्रथा (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

42. दासी को पत्नी के रूप में स्वीकार करने के बाद उसे क्या कहा जाता था ?
(अ) पटरानी
(ब) महारानी
(स) भगतन
(द) पासवान, पड़तायन, खवासन
उत्तर : (द)

43. सागड़ी प्रथा का दूसरा नाम है–
(अ) हाली प्रथा (ब) चाकर प्रथा
(स) बंधुआ मजदूर (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)

44. भारत सरकार द्वारा बंधित श्रम पद्धति अधिनियम द्वारा बेगार प्रथा को कब समाप्त कर दिया गया ?
(अ) 1972 (ब) 1975
(स) 1976 (द) 1974
उत्तर : (स)

45. सागड़ी प्रथा सम्पूर्ण राजस्थान में किनकी देन मानी जाती है ?
(अ) ब्राह्मणों की (ब) अंग्रेजों की
(स) राजपूतों की (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

46. राजस्थान सरकार ने किस वर्ष सागड़ी निवारण अधिनियम बनाकर बंधुआ मजदूरी से मुक्ति प्रदान करवाई थी ?
(अ) 1972 (ब) 1961
(स) 1956 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

47. वर्ष 1906 ई. में लागू 'तलवार बंधाई' एक प्रकार का उत्तराधिकारी शुल्क था जो किस शासक के द्वारा लागू किया गया था ?
(अ) राव पृथ्वीसिंह (ब) राव चन्द्रसेन
(स) राव उदयसिंह (द) राव रणमल उत्तर :
उत्तर : (अ)

48. राजस्थान में डाकनिया प्रथा को वर्ष 1853 ई. में गैर कानूनी घोषित करने का आदेश प्रसारित करने वाले शासक थे–
(अ) महाराणा स्वरूप सिंह (ब) राव चूड़ा
(स) राणा सांगा (द) राणा लाखा
उत्तर : (अ)

49. राजपूताने में किस नरेश ने सर्वप्रथम कन्या वध को रोकने का प्रयास किया ?
(अ) कोटा नरेश जगतसिंह
(ब) महाराणा स्वरूप सिंह
(स) सवाई जयसिंह द्वितीय
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

www.rajstudents.com

50. राजस्थान में डाकनिया प्रथा पर रोक सर्वप्रथम कहाँ लगाई गई ?
(अ) जोधपुर (ब) उदयपुर
(स) कोटा (द) बीकानेर
उत्तर : (ब)

51. सती प्रथा पर सर्वप्रथम रोक लगाने वाली रियासत थी–
(अ) भरतपुर (ब) धौलपुर
(स) अलवर (द) बूँदी
उत्तर : (स)

52. लॉरेंस और विलकिन्सन ने किस कुप्रथा को रोकने की दिशा में सर्वाधिक प्रशंसनीय कार्य किया ?
(अ) सती प्रथा (ब) डाकन प्रथा
(स) कन्या वध (द) सागड़ी प्रथा
उत्तर : (स)

53. वाल्टर कृत राजपूत हितकारिणी सभा ने किस कुप्रथा को समाप्त करने पर बल दिया था ?
(अ) कन्या वध (ब) सागड़ी प्रथा
(स) त्याग प्रथा (द) डाकन प्रथा
उत्तर : (स)

54. सर्वप्रथम 1834 ई. में कोटा नरेश जगतसिंह ने अपने राज्य में कन्या वध अवैध घोषित किया जिसके पश्चात् किन रियासतों में इस कुप्रथा को अवैध घोषित किया गया ?
(अ) बीकानेर (1837 ई.) (ब) जोधपुर (1839 ई.)
(स) उदयपुर (1844ई.) (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)

55. दासी को पत्नी के रूप में स्वीकार करने के बाद उसे क्या कहा जाता था ?
(अ) पटरानी
(ब) महारानी
(स) भगतन
(द) पासवान, पड़तायन, खवासन
उत्तर : (द)

———

www.rajstudents.com